UNIVERSITY NEWS 17 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

'कला के सरोकार सदैव युवा... कलाकार कभी वृद्ध नहीं'

गोमती पुस्तक महोत्सव का पांचवां दिन साहित्य, संगीत, कविता और बाल गतिविधियों से रहा गुलजार

जागरण संवाददाता • लखनऊ : 80 वर्ष के कलाकार 25 वर्ष के युवा जैसी रूमानियत ला सकते हैं। आशा भोसले जी इसका प्रमाण थीं। वो दिल से युवा थीं। गोमती पुस्तक महोत्सव में बुधवार को 'संगीत साहित्य और जेन-जी' पर बातें शुरू हुईं तो अनुभव और संस्कार तक पहुंचीं। सार यह रहा कि कला के सरोकार सदैव युवा रहे हैं। इसलिए कलाकार कभी वृद्ध नहीं हो सकते।

इस सत्र में पद्मश्री से अलंकृत लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने वरिष्ठ साहित्यकार यतीन्द्र के संवाद में कहा, 'संगीत-साहित्य की रुचि स्कूल में नहीं घर में परस्कृत होती है। बच्चों को दोष देना बहुत आसान है। माता-पिता कितना पढ़ते हैं और कितना सुनते हैं? मां के पास कितनी रचनाएं हैं? जब तक माता-पिता बच्चों को संस्कार नहीं देंगे तब बच्चे कैसे सीखेंगे? बच्चों की रुचि और प्रबुद्धता को परिष्कृत करने काम माता-पिता का है।' संगीत में जेन-जी की रुचि के प्रश्न पर मालिनी ने 12 वर्ष पहले का शारदा विश्वविद्यालय का दृष्टांत दिया। कहा, युवाओं में पारंपरिक संगीत की विधाओं में इतनी रुचि है कि वो इसे सुनने के लिए प्रतिपल तैयार रहते हैं। युवाओं को देखकर मैं स्वयं को नहीं रोक पाती।' यतीन्द्र मिश्र ने उनकी बात को गुलजार के किस्से से जोड़ा। बताया, 'एक बार गुलजार ने मुझे अपना दोस्त बताया तो मैंने उन्हें उम्र में बहुत बड़े होने का ध्यान दिलाया। इस पर गुलजार ने कहा कि अगर मैं आपको बेटा बनाऊंगा तो रिटायर हो जाऊंगा। अगर दोस्त बनाऊंगा तो साथ में लिख पाऊंगा।' मालिनी ने कहा, 'हर पीढ़ी में कुछ अच्छाई आती है। नई पीढ़ी के सामने तजुर्बे की दिक्कत है। बिना धीरज के आप संगीत नहीं सीख सकते। ये पीढ़ी ऐसे गाने और लेखन को तुरंत अपनाती है, परंतु सीखने के लिए धैर्य जरूरी है।

महोत्सव में सत्र संगीत, साहित्य और जेन-जी में चर्चा करती पद्मश्री से अलंकृत लोक गायिका मालिनी अवस्थी व साहित्यकार यतीन्द्र मिश्र • जागरण

अरी सखी मोरे पिया घर आए...

कवि सम्मेलन में मनीषा शुक्ला ने सुनाया- 'जीवन इक अभ्यास है, अनुभव एक किताब'। सर्वेश अस्थाना ने साहस और संघर्ष को अपनी पंक्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। चिराग जैन ने हिंदी कविता और कवि के संघर्ष को केंद्र में रखा। कवि मंजीत सिंह ने संचालन किया। पंकज प्रसून, मालविका हरिओम और मनीषा शुक्ला ने भी काव्य पाठ किया। 'बज्म-ए-इश्क' में हजरत अमीर खुसरो की रचनाओं 'अरी सखी मोरे पिया घर आए' और 'छाप तिलक सब छीनी मोसे नैना मिलाइके' को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। नृत्य निर्देशन एवं कोरियोग्राफी डा. सुरभि शुक्ला ने की। तबले पर डा. राजीव शुक्ला व संगीत संयोजन एवं गायन में पंडित रवि नागर ने संगत की। इसके बाद आकाशवाणी दिल्ली के युवा कलाकार देवानंद झा ने गायन प्रस्तुति दी।

- मालिनी अवस्थी और यतीन्द्र मिश्र ने किया संवाद, डा. हरिओम ने साझा किए अनुभव, कवि ने हंसाया
- माता-पिता बच्चों को दें पढ़ने का संस्कार, उनकी रुचि को परिष्कृत करना आपका ही है काम

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव में किताबें देखते छात्र-छात्राएं • जागरण

समाज व लोगों से जुड़ाव से मिलता लेखन का विषय

'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में डा. हरिओम ने डा. ललित किशोर मंडोरा के साथ बातचीत में कहा, 'प्रशासनिक सेवा के साथ साहित्य के लिए समय निकालना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन समाज और लोगों से जुड़ाव उनके लेखन को निरंतर अनुभव और विषय देता है।' इससे पहले चिल्ड्रेंस कार्नर में दास्तानगो आस्था और तस्नीम ने बच्चों को कहानी सुनाई। रंजीता और राहुल ने 'रंगमंच : कल्पना और अभिनय' के माध्यम से बच्चों को अभिनय की बारीकियों से परिचित कराया। विज्ञान सत्र में प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाया गया। 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय एवं कविता पाठ' में विद्यार्थियों ने नागार्जुन, कबीर और रवीन्द्रनाथ टैगोर सहित विभिन्न कवियों की रचनाएं प्रस्तुत कीं।

<< गोमती पुस्तक महोत्सव में आयोजित सत्र सृजन, साहित्य और संवेदना में चर्चा करते प्रमुख सचिव कौशल विकास डा. हरिओम व डा. ललित किशोर मंडोरा • जागरण

HINDUSTAN

कला के सरोकार युवा रहते हैं: मालिनी

पुस्तक महोत्सव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें संस्करण के पांचवें दिन साहित्य, कहानी, रंगमंच, विज्ञान, संगीत और कविता से जुड़े कार्यक्रम हुए। वरिष्ठ लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी और यतींद्र मिश्र ने संवाद किया।

मालिनी ने लखनऊ से अपने जुड़ाव और एलयू में अध्ययन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि पीढ़ियां बदलने के बावजूद सीखने की इच्छा बनी रहती है। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़े अनुभव साझा करते हुए दादरा की प्रस्तुति भी दी। मालिनी अवस्थी ने कहा कि संगीत-साहित्य की रुचि स्कूल में नहीं घर में परस्कृत होती है। बच्चों को दोष देना बहुत आसान है। माता-पिता कितना पढ़ते हैं और कितना सुनते हैं? उन्होंने कहा युवा पारंपरिक संगीत को सुनने के लिए प्रतिपल तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि कला के सरोकार हमेशा युवा रहे हैं इसलिए कलाकार कभी वृद्ध नहीं हो सकते हैं।

पुस्तक मेले में मालिनी अवस्थी ने चर्चा की।

लेखक से मिलिए में डॉ. हरिओम ने बात की।

- पद्मश्री मालिनी अवस्थी और यतींद्र मिश्र ने संवाद किया
- दास्तान और बज्म-ए-इश्क से सजा सांस्कृतिक मंच

हिन्दी दिवस पर विशेष कवि सम्मेलन का आयोजन

महोत्सव में हिन्दी दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन का संचालन फरीदाबाद के कवि मंजीत सिंह ने किया। चिराग जैन, पंकज प्रसून, सर्वेश अस्थाना, डॉ. मालविका हरिओम और मनीषा शुक्ला ने काव्य पाठ किया। बज्म-ए-इश्क में हजरत अमीर खुसरो की रचनाओं से कलाकारों ने समां बांधा।

डॉ. हरिओम ने साझा किए साहित्यिक अनुभव

लेखक से मिलिए कार्यक्रम में डॉ. हरिओम ने लेखन, प्रशासन और रचनात्मक प्रक्रिया पर बात की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा के साथ साहित्य के लिए समय निकालना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन समाज और लोगों से जुड़ाव उनके लेखन को निरंतर अनुभव और विषय देता है। उन्होंने कहानी, कविता और गजल लेखन की प्रक्रिया पर चर्चा की। उन्होंने गीत भी सुनाए। इसके अलावा चिल्ड्रन्स कॉर्नर में दास्तानगो आस्था और तस्नीम ने बच्चों को कहानी सुनाई।

मंटो की कहानियों और जौन एलिया की शायरी में दर्द पढ़ रहे युवा

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। गोमती पुस्तक महोत्सव में किताबों के बीच युवाओं की पसंद भी साहित्य के बदलते रुझान की कहानी कह रही है। युवा नई किताबों और समकालीन साहित्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वहीं मशहूर शायरों की शायरी और उर्दू साहित्य की किताबों की भी खास मांग है। जौन एलिया की शायरी से लेकर सआदत हसन मंटो की कहानियों तक, युवा पाठक साहित्य में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और अनुभव तलाश रहे हैं।

पुस्तक मेले में जौन एलिया की कृतियां युवाओं के बीच खास पसंद की जा रही हैं। उनकी चर्चित किताबों 'शायद', 'यानी' और 'गुमान' के प्रति पाठकों की दिलचस्पी देखने को मिल रही है। सआदत हसन मंटो का साहित्य भी युवाओं को खींच रहा है। 'टोबा टेक सिंह', 'ठंडा गोश्त' जैसी कहानियों के संग्रह खूब पसंद किए जा रहे हैं।

AMAR UJALA

परिष्कृत है जेन जी का सोच : मालिनी अवस्थी

साहित्य, संगीत और बाल गतिविधियों से सजा गोमती पुस्तक महोत्सव का पांचवां दिन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। जेन जी का सोच और रुचि परिष्कृत है। ये साहित्य और संगीत को अच्छे से समझते हैं और रुचि भी रखते हैं। ये बातें पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें दिन बुधवार को लेखक यतींद्र मिश्र के साथ संगीत, साहित्य और जेन विषय पर बात करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने लखनऊ और लविवि से जुड़े अपने किस्से भी साझा किए। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा जुड़े अनुभव साझा करते हुए दादरा की प्रस्तुति भी दी।

लेखक यतींद्र मिश्रा ने जेन जी को लेकर बात करते हुए बताया कि मैं सोशल मीडिया पर जो रील्स शेयर करता हूं उसमें पुराने गानों को शामिल करता हूं और यह मेरे युवा फॉलोअर्स को बेहद पसंद भी है। उन्होंने नई पीढ़ी से संवाद और विभिन्न पीढ़ियों के बीच समझ को महत्वपूर्ण बताया।

पुस्तक महोत्सव में सृजन, साहित्य और संवेदना का संवाद विषय पर बोलते हुए लेखक व आईएएस डॉ. हरिओम। अमर उजाला

पुस्तक महोत्सव में पुस्तकें देखतीं युवतियां। अमर उजाला

दास्तानगोई से विज्ञान तक बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

बाल मंडप में दास्तानगो आस्था और तस्नीम ने बच्चों को कहानी सुनाई। इसके बाद रंजीता और राहुल ने बच्चों को अभिनय की बारीकियों से परिचित कराया। विज्ञान सत्र में प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाया गया। राष्ट्रीय ई पुस्तकालय एवं कविता पाठ में विद्यार्थियों ने नागार्जुन, कबीर और रवींद्रनाथ टैगोर सहित विभिन्न कवियों की रचनाएं प्रस्तुत कीं।

प्रत्येक लेखक के सृजन का तरीका अलग

पुस्तक मेले में सृजन, साहित्य और संवेदना का संवाद विषय पर बोलते हुए लेखक एवं आईएएस अधिकारी डॉ. हरिओम ने कहा कि हर लेखक का सृजन का तरीका अलग होता है। उन्होंने अपने लेखन, साहित्यिक अनुभवों और रचनात्मक यात्रा पर विस्तार से बातचीत की। अपने साहित्यिक सफर की चर्चा करते हुए डॉ. हरिओम ने बताया कि उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और तीन पुस्तकों का अनुवाद भी हुआ है। इस दौरान उन्होंने संगीत के प्रति अपने लगाव को साझा करते हुए कुछ गीत भी प्रस्तुत किए।

■ **हिंदी दिवस पर विशेष कवि सम्मेलन :** पुस्तक महोत्सव में हिंदी दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन फरीदाबाद के कवि मंजीत सिंह ने किया। चिराग जैन, पंकज प्रसून, सर्वेश अस्थाना, डॉ. मालविका हरिओम और मनीषा शुक्ला ने काव्यपाठ किया। नृत्य निर्देशन एवं कोरियोग्राफी डॉ. सुरभि शुक्ला ने की। तबले पर [illegible] देवानंद झा ने गायन प्रस्तुति दी।

पुस्तक महोत्सव में पेंटिंग बनाते विद्यार्थी। अमर उजाला

आस्था और तस्नीम बच्चों को दास्तां सुनाते हुए। अमर उजाला

NBT

हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर्स में आयोजित 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम में बोले एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला...

खुद से पूछें कि अगर मैं नहीं तो कौन?

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** आपको यह नहीं सोचना है कि सिर्फ एक नौकरी करनी है या जॉब ढूंढना है, बल्कि आपको यह सोच रखनी है कि आप बाहर निकलेंगे, बड़े बदलाव करेंगे और देश को आगे ले जाएंगे। ये बातें भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन व एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने हजरतगंज स्थित 'यूनिवर्सल बुकसेलर्स' में आयोजित 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम के दौरान कहीं।

[illegible]

यूनिवर्सल बुकसेलर्स में एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को देखकर खुश हुए बच्चे।

जल्द मिलेगा नया अंतरिक्ष यात्री

[illegible]

वास्कोडिगामा को एक गुजराती ने दिखाया था रास्ता

कई अनसुलझी गुत्थियों को सुलझाती है लेखक अमीश त्रिपाठी की किताब 'ध्रुव तारा : द ग्रेट इंडियन हिस्ट्री क्विज'

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** वास्कोडिगामा ने क्या खोजा? उसका मिलेगा भारत आने का समुद्री मार्ग। लेकिन इतिहास का सच यह है कि वास्कोडिगामा केवल अफ्रीका के दक्षिणी तट तक पहुंचा था, जहां उसे कांजी मालम नाम के गुजराती व्यापारी मिले, जिन्होंने उसे केरल तक पहुंचाया। ऐसी ही कई अनसुलझी गुत्थियों को सुलझाती है लेखक अमीश त्रिपाठी की नई किताब 'ध्रुव तारा : द ग्रेट इंडियन हिस्ट्री क्विज'।

[illegible]

इतिहास के छुपे हुए पन्ने: [illegible]

महर्षि बौधायन का योगदान: [illegible]

AMRIT VICHAR

पुस्तक महोत्सव | हिंदी दिवस पर आयोजित हुआ विशेष कवि सम्मेलन

साहित्य के मेले में विज्ञान का अभिज्ञान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव के 5वें दिन साहित्य, कहानी, रंगमंच, विज्ञान, संगीत और कविता से जुड़े कार्यक्रम हुए। चिल्ड्रन्स कॉर्नर में लगभग 1100 विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। लेखक से मिलिए में डॉ. हरिओम ने अपने साहित्यिक अनुभव साझा किए। वहीं मालिनी अवस्थी और यतींद्र मिश्र ने संगीत, साहित्य और जेन जी विषय पर संवाद किया। हिंदी दिवस पर विशेष कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

[illegible]

कवि सम्मेलन में कवियों ने किया मुग्ध

[illegible]

मालिनी अवस्थी और यतींद्र मिश्र के संवाद में हुई संगीत, साहित्य और जेन जी पर चर्चा

[illegible]

TIMES OF INDIA

Students show ways to save ozone layer

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The department of geography at Avadh Girls' Degree College organized a Inter-College Documentary Competition to commemorate World Ozone Day on Wednesday.

Participating student teams presented short documentaries highlighting the impact of chlorofluorocarbons (CFCs) and global warming on ozone layer and steps citizens can take to save it.

The students from Karamat Hussain Muslim Girls' College secured the first position. The team comprised Sarah Siddiqui, Afeefa Khatoon and Sana Parveen. The second position was bagged by team from KKC which was represented by Gaurav S. Yadav.

The third place was secured by Avadh Girls' Degree College. The team members comprised Archisa Sharma, Hema Dembla, Kashish Chaurasia and Iqra Javed.

The winning participants

VOICE OF LUCKNOW

एनएसएस सामाजिक सेवा की भावना पैदा करता है: प्रो. जेपी सैनी

लखनऊ। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), उच्च शिक्षा विभाग एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने की। इस अवसर पर उच्च शिक्षा के स्पेशल सेक्रेटरी सर्वेश कुमार, एनएसएस की स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. मंजू सिंह, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चीफ एनवायरनमेंटल ऑफिसर प्रवीण कुमार तथा डीएसडब्ल्यू प्रो. अमिता कनौजिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये। लखनऊ विश्वविद्यालय एनएसएस के कोऑर्डिनेटर डॉ. आनंद वल्लभ जोशी कार्यक्रम के आयोजक रहे। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों प्रो. प्रतिभा राज, डॉ. फाजिल अहसन हाशमी, डॉ. अनविता वर्मा, डॉ. करुणा शंकर, डॉ. आशुतोष, डॉ. शशि प्रभा, डॉ. अमरनाथ गौड़, डॉ. रमेश त्रिपाठी, डॉ. रणविजय सिंह आदि को उनकी एनएसएस इकाइयों में दी गई सेवाओं के सम्मान में कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में समाज के प्रति सेवा की भावना को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होकर समाजहित में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

UNIVERSITY NEWS 17 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

ई-पुस्तकालय में 25 भाषाओं की सात हजार पुस्तकें पढ़ने की सुविधा

महेन्द्र पाण्डेय • जागरण

लखनऊ : किताबों की दुनिया अब सिर्फ कागज के पन्नों तक सीमित नहीं है। मोबाइल फोन की स्क्रीन पर भी साहित्य, ज्ञान और विविध विषयों की पुस्तकों का संसार पाठकों के लिए खुल रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में इसका अनुभव बच्चों और युवा पाठकों को विशेष तौर पर कराया जा रहा है। इस ई-पुस्तकालय में 25 भाषाओं की सात हजार से अधिक पुस्तकें हैं, जिन्हें निश्शुल्क पढ़ सकते हैं।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय पाठकों को एक ऐसा मंच दे रहा है, जहां साहित्य और ज्ञान की विविध विधाओं तक मोबाइल से पहुंच बनाई जा सकती है। महोत्सव में ई-पुस्तकालय के उपयोग का तरीका भी समझाया जा रहा है। क्यूआर कोड दिया जा रहा है, जिसे स्कैन कर ई-पुस्तकालय एप डाउनलोड कर सकते हैं। इस पर नाम, मोबाइल नंबर व ईमेल दर्ज ई-बुक पढ़ सकते हैं। ई-पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी के साथ ही संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, भोजपुरी, बोडो, कश्मीरी, कोंकणी, पंजाबी, आसामी, बांग्ला, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया सहित 25 भाषाओं में पुस्तकें हैं।

ई- पुस्तकालय पर निश्शुल्क पढ़ सकते हैं मनपसंद पुस्तकें • एप

ई-पुस्तकालय में ऋग्वेद से लेकर आनंदमठ तक : ई-पुस्तकालय में बंकिंग चंद्र चट्टापाध्याय की पुस्तक आनंदमठ के साथ पं. राम गोविंद त्रिवेदी की कृति ऋग्वेद हिंदी भाष्य कई खंडों में उपलब्ध है। प्रेमचंद की कफन, मंत्र, सोजे वतन सहित कई कहानियां भी हैं। गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, झारखंड, राजस्थान व उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों की लोककथाएं भी हैं। दलाई लामा और साइबर क्राइम पर आधारित पुस्तकें भी हैं।

गोमती महोत्सव में लगे स्टाल पर ई-पुस्तक के बारे में जानकारी लेतीं युवतियां • जागरण

SWATANTRA BHARAT

गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें दिन साहित्य, विज्ञान और कविता से सजा परिसर

स्वतंत्र भारत लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें दिन बुधवार को साहित्य, कहानी, रंगमंच, विज्ञान और कविता से जुड़े विविध कार्यक्रमों ने महोत्सव परिसर को रचनात्मक ऊर्जा से भर दिया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवें संस्करण में 12 से 20 सितंबर तक चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में बच्चों के लिए बनाए गए बाल मंडप में करीब 1,100 विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। वहीं 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में प्रसिद्ध लेखक एवं प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता डॉ. हरिओम ने पाठकों और साहित्यप्रेमियों से संवाद करते हुए अपने साहित्यिक सफर, लेखन प्रक्रिया और प्रशासनिक अनुभव साझा किए।बाल मंडप में दिन की शुरुआत दास्तानगोई से हुई। दास्तानगो आस्था और तसनीम ने बच्चों को रोचक कहानियां सुनाईं। कहानियों के माध्यम से बच्चों को ईमानदारी, दोस्ती और मेहनत जैसे जीवन मूल्यों का संदेश दिया गया। कहानी सुनने के साथ बच्चों ने संवाद और कल्पना की दुनिया से जुड़ते हुए अपनी रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।इसके बाद रंजिता और राहुल ने 'रंगमंच = कल्पना और अभिनय' विषय पर बच्चों से संवाद किया। सत्र में विद्यार्थियों को अभिनय, आवाज के उतार-चढ़ाव, भाव-भंगिमा और मंचीय प्रस्तुति की बारीकियों से परिचित कराया गया। विभिन्न गतिविधियों और अभ्यासों के माध्यम से बच्चों ने अभिनय की कला को समझा और स्वयं भी उसका अनुभव किया।विज्ञान आधारित सत्र में प्रयोगों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच तथा विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं से परिचित कराया गया। गतिविधियों को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे बच्चों में सीखने के साथ जिज्ञासा और प्रयोग करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला।दिन के कार्यक्रमों का समापन 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय एवं कविता पाठ' सत्र से हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने नागार्जुन, कबीर और रवींद्रनाथ टैगोर सहित विभिन्न कवियों की रचनाओं का भावपूर्ण पाठ किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को एनबीटी की पुस्तकें, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की ओर से उपहार और उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।महोत्सव के 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के तहत 'सृजन, साहित्य और संवेदना का संवाद' विषय पर विशेष चर्चा आयोजित की गई। प्रसिद्ध लेखक एवं आईएएस अधिकारी डॉ. हरिओम ने पाठकों और साहित्यप्रेमियों के साथ अपने लेखन, साहित्यिक अनुभवों और रचनात्मक यात्रा पर विस्तार से बातचीत की। कार्यक्रम का समन्वय राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के हिंदी संपादक डॉ. ललित किशोर मंडोरा ने किया।डॉ. हरिओम ने कहा कि प्रशासनिक सेवा की व्यस्त जिम्मेदारियों के बीच साहित्य के लिए समय निकालना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन समाज और लोगों से निरंतर जुड़ाव उनके लेखन को अनुभव और विषय प्रदान करता रहा है। उन्होंने कहा कि उनके लेखन में जीवन और समाज से जुड़े अनुभवों की झलक दिखाई देती है।रचनात्मक प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक लेखक का सृजन का तरीका अलग होता है। कहानी में विचार और पात्रों से शुरुआत होती है, जबकि कविता में अनुभव और अनुभूति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

TIMES OF INDIA

Washable books scrub worry of tearing

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: What if books could be washed, folded and handled without worrying about tearing them? At the Gomti Book Festival, these unusual cloth books are catching the attention of children and parents alike.

Owner of Hind Khilona, Sudhir Jalan said, "One of the favourites among children is a book of animals and flowers. Children learn through touch, movement and constant exploration and that is exactly what we kept in mind while developing these cloth books. Children at this age fold, pull, crumple and sometimes tear paper pages. Instead of treating this natural behaviour as a problem, we wanted to make books that could adapt to the way children learn and play."

He added that the books can be washed by hand or in a washing machine. The text and colourful illustrations are permanently printed on the polyester fabric fibres using advanced digital textile printing techniques. The printing uses non-toxic dyes and pigments that bond directly with the baby-safe polyester material rather than sitting as a layer on the surface that can flake or peel. The prints are engineered to withstand saliva, chewing, tugging and repeated washing without bleeding or blurring the letters and numbers.

Parents visiting the festival appreciated the idea. Rishabh Rastogi said the fabric-based ABC, number and story books, along with games such as ludo, chess and snakes and ladders, help children learn while playing.

"My child usually tears paper books, but she can hold these books without me worrying about the pages remaining intact," said Sudha Verma.

Sunil Kumar

Cloth books are catching attention of children and parents

DAINIK JAGRAN

ओजोन संरक्षण के लिए युवाओं को किया जागरूक

लखनऊ : विश्व ओजोन दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस वर्ष की थीम 'ग्लोबल एक्शन फार अ कूलर प्लैनेट' रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने की। मुख्य पर्यावरण अधिकारी प्रवीण कुमार, विशेष सचिव उच्च शिक्षा सर्वेश कुमार, एनएसएस की राज्य संपर्क अधिकारी डा. मंजू सिंह व कार्यक्रम समन्वयक डा. आनंद बल्लभ जोशी मौजूद रहे। **वि.**

NBT

शहर में आज

- **गोमती पुस्तक महोत्सवः** दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू के साथ संवाद, लखनऊ विश्वविद्यालय, सुबह 10:30 बजे।
- **11वां वाइट स्वान रिस्पॉन्सिबल आर्ट फेस्टिवलः** मालवीय सभागार लखनऊ विवि, दोपहर 3:00 बजे।
- **रक्तदान शिविरः** प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर, श्री हरभज राम कृपा देवी धर्मार्थ ट्रस्ट अस्पताल परिसर, नाका हिंडोला, सुबह 11 बजे